

ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA, TRIVENIGANJ

Report on- Departmental Seminar

Name of the Event	Seminar on the topic :- " Indus Valley Civilization "		
Date of the Event	19.05.2023		
Venue of the Event	College Conference Hall		
Organized By	Department Of Ancient History		
No of Participant	37		
Resource Persons	Not Applicable		
Transcript of M.O.M. in English	Department of AIH & Culture Today on dated 19.05.2023 on the recommendation IQA Cell a workshop is organised by the Department of AIH & Culture in conference Hall of Anooplal Yadav Mahavidyalaya Triveniganj (Supaul) under the chairmanship of Prof. Surendra Prasad Yadav, H.O.D. AIH & Culture. Topic:-"Indus Valley Civilization"		

सूचना

संशोधित सुचना

प्राचीन भारत इतिहास एवम संस्कृति विभाग स्नातक पार्ट—I, (Hons) के सभी छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक—01/05/2023 रोज—सोमवार दिन के 11:00 बजे महाविद्यालय के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें आप सभी छात्र—छात्राओं का उपस्थिति अनिवार्य हैं सभी छात्र/छात्रा अपना—अपना आधार कार्ड एवं पैन कार्ड का फोटो कॉपी साथ अवश्य लावेगें।

<u>Copy to</u> Principal, A.L.Y. College, Triveniganj IOAC – COORDINATOR

> विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीम इतिहास एवम संस्कृति विभाग ब्रिटेन्द्र सम्बद्धान्य अनूपलाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज सुपौल

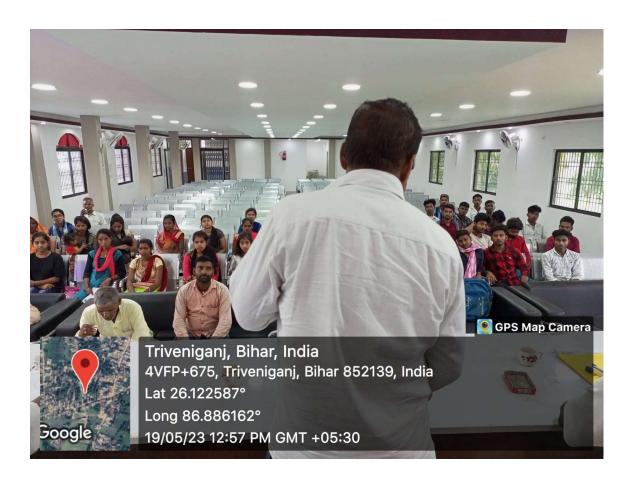
NOTICE OF THE EVENT

		п —
		l
		ideta
(3)	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	idnig
E (Esc		1
(2	939 169105 19.05-2023 JUST 2/ 97913	951
Jani gani	Super 14 M/100 34/109 HD 190 / 40 VI) 3157	4
	0	3
	1215 Wolldelle HALA 211	20/4
	3/16/10 19 मार्गत विकाश विष्य	77
	एक कार्याला का जाराजा किय	1 51211
	(9149) DIENENNI CHEDA 2717 0/29	0
		2/1/6/19
	123 19 16 16 16 16 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18	7 710
	हिर्दे स्मार द्या है। है। है। है। है। है।	E 641
	में निमार्थित में भागामा के माला में	19/40/
	एवं ६८१ में के मिन्य श्रेमानमात्रमा हि।	011 31
		5/1 93/ 4
	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	0110
	24 91721701 में निमालीयत	7/63/1951
	to will will 3411END GE	17-
	Epic: - "Indus velly civilization"	
	N /N / Calle	A 101
1	(May 85) [9]	125
1	1. A. A. C. D. F. 5764 81	(§.)
	3194MM Mrug 10-5 417 7170	17 5/NZ171
	40 100 Balwist	921121
Δ	PRINCIPAL YACUMUUN YACUMUU H	7 /2 9 Hm
	Triveniganj, Supaul (Rubar)	
-	34169171 - SOUND S	1 (gr) (f)
		123
	Grange frason Lakingravi plin is	130
$\frac{12}{2}$	Kulanoned Jaler - Whyder many makes it	8
(3)	Binol Kamir Gine 1	
14)	Satya maraya yacla, musir	
(5)	SR 1 Property	
(6)	Shambhy yarlar ozeog	
(A)	Vidyanand yadav SNK. Nove-p.o.	
7	Bigendra gadar - Bot	
	SA yadar - Bot	
(9)	Ramendra Yadar - 807	
(10)	Madan Mohan yadar - Too	
(11)	Arun Rumar - ECO	

M. O. M. & ATTENDANCE OF THE EVENT

11			A
		<u> </u>	ntg 7
		Page No. — 54-	
	8017- EDIYIX:-	2500)	
	md. Sadab. Ala	992	Obi
1	Ashish Kymals	668	
(3)	foran - Knows	1001	
(4)	Abrilash Kungo	- 670	
(5)	poonam kymany	355	
(6)	Sncha Shalu -	600	
(7)	wity kala kumani -	646	
40	Riya Kumazi	599	×.
	Panati Kungsi -	223	
(10)	Kajal Kumani -	527	
	Bitter Kumar Passas	#602	
[2	malender 1 1 mar	# 5-14	
	नीक उपार	60	
(14)	Krishny Kurnar-	846	,
(IS:	Vikeus Kymon -	486	
(73)	Dipesh - Hummo -	- filt coding	
GEV/19	Jany kmong	472	
(18.)	Aman kumour		-
(19)	md Sopil		
(50)	Sanjay KarRam	- 473	
(21)	chandan kumar -	064	
	Koshila Kumadi		
	Kundan Kumari -	120 720 min 21 21	
(24)	flasti kumazi —	1009	
	Lyst.	herry garage	
as - 1 p- 1	ad Circor	The White P	
A SECTION	SAN LINE	the second second	1 / 1 / 1
100/19_1			-
	186		1 - /
	A TANK	**	1 ()
J.	Many to a control of the control of		
J. 1		the same and the s	1

STUDENT ATTENDANCE OF THE EVENT





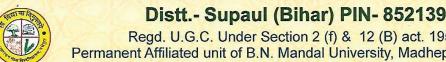
GEO-TAG PHOTO OF THE EVENT

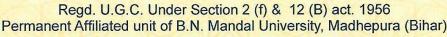






PHOTOGRAPHS OF THE EVENT







Principal

LLEG (C(0)

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Mob.- 9939257785, 9431204188 ★ Tel./Fax: 06477-220940 ★ Website- www.alycollege.com ★ E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. .

घटनाओं का अध्ययन करते हैं इतिहास कहलाता है। दूसरे शब्दों में इतिहास प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि ज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत मानव जाति से संबंधित पिछली पहलुओं सामाजिक, आर्थिक, विज्ञानी है। जिसमें मानव समाज के सभी समय के साथ परिवर्तन का अध्ययन

मुख्यालय स्थित अनुपलाल यादव महाविद्यालय प्रांगण में शुक्रवार को यादव की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला का विषय शिक्षण-कौशल रखा गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के बीच प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति संवाद सूत्र, त्रिवेणीगंज (सुपौल) : प्रखंड संबंधित विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र प्रसाद विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन अनुपलाल यादव महाविद्यालय प्रांगण में

तकनीकी, के अध्ययन से हमें पता चलता है कि हमारे देश में सभ्यता संस्कृति कैसे बौद्धिक और धार्मिक आदि शामिल हैं। समय के आधार पर इतिहास को प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति तीन भागों में विभाजित किया जाता है। प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. गंगा प्रसाद साह सांस्कृतिक,

शक्षा को उजागर करना था। समन्वयं स्थापितं कर गुणवत्तापूण

सध्यता संस्कृति कैसे विकसित हुई। कृषि, कताई- बुनाई अरेर कला- कौशल की उत्पत्ति कैसे हुई। लोगों के मोजन और पोशाक में परिवर्तन कैसे होता गया। जंगलों की कैसे हुई। धर्म और धार्मिक व्यवहार अस्तित्व में कैसे आया। भाषा और साहित्य का विकास कैसे होता गया। सफाई, राजा और राज्य की स्थापना कहानियों पर आधारित है। वर्तमान का

भविष्य की तैयारी

को नियमित आने के लिए प्रेरित किया

्राो. अशोक कुमार ने प्राचीन भारतीय इतिहास के महत्त्व को बताया 3110249 सामाजिक एवं राजनीतिक संस्थाएं कैसे अस्तित्व में आई। इतिहास मानव डातहास

कहा कि आमतौर पर मानव सभ्यता की शुरुआत से लेकर पांचवीं सताब्दी का दस्तावेजीकरण शुरू किया, माना गया है। चूक इतिहास जाति के निरंतर विकास की कहानी है कि जैविक अवशेषों सहित अतीत के हुई। यह मौखिक, पुरातत्विक साक्ष्य कारण से इतिहास की समझ विकसित मानव ने सबसे पहले अपने अनुभवी प्राचीन काल को समझा जा सकता है घटनाओं का अध्ययन है। जिससे तक का समय प्राचीन, इतिहास का प्रसाद साह और प्रो. कुलानंद यादव ने संस्कृति विषय के प्राध्यापक प्रो. गंगा लिखित रिकार्ड, कलाकृतियां यहां तक प्राचीन भारतीय इतिहास विमल ने संबोधित कर छात्र- छात्राअ

इतिहास का अध्ययन कई दृष्टिकोण स्म महत्वपूर्ण हैं। को महाविद्यालय को विधि-व्यवस्त्र एवं विधिन्न संरचना से अवगत कर्म्य हुए नियमित महाविद्यालय आने क्व लिए प्रेरित किया। कार्यशाला को क्व हैं। जिससे हमें बेहतर दुनिया बन में मदद मिलती हैं। हेरोडोटस(तुक सफलताओं से सीखने का अनुभव देत प्राचार्य सह आइक्यू सेला के अध्या प्रो. अशोक कुमार ने संबोधित क्रम प्राचीन भारतीय इतिहास विषय महत्व को बताया और छात्र छात्रा<mark>ता</mark> को महाविद्यालय की विधि-व्यवस्था प्राचीन भारतीय इतिहास विषय इत्वपूर्ण है। कार्यशाला को महाविद्यालय के उ**द** प्रो. विनोद कुमार

Date

Palello

0

3

कार्यशाला का किया गया आयोजन

N

दैनिक जागरण भगलपुर, 20 मई 2023

का अध्ययन

noop Lal Yadav Mahavidyalaya Triveniganj, Supaul (Bihar) Principal

है। यह होता का अध्ययन अध्ययन आवश्यम Anoop Lal Yadav Manav

THE EVEN Triveniganj, Supaul (--



Distt.- Supaul (Bihar) PIN-852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956 Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)



Principal

(C(0) LILE(G) [ISO9001:2015CERTIFIED]

Mob.- 9939257785, 9431204188 ★ Tel./Fax: 06477-220940 ★ Website- www.alycollege.com ★ E-mail- aly.college79@gmail.com

समय के साथ परिवर्तन का अध्ययन घटनाओं का अध्ययन करते हैं इतिहास

प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि ज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत मानव जाति से संबंधित पिछली छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के बीच संबंधित विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में किया गया। शिक्षा को उजागर करना था। रखा गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कार्यशाला का विषय शिक्षण-कोशल मुख्यालय स्थित अनुपलाल यादव महाविद्यालय प्रांगण में शुक्रवार को वेषय पर एक कार्यशाला का आयोजन प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति स्थापित कर गुणवत्तापूण कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. गंगा प्रसाद साह

तीन भागों में विभाजित किया जाता है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति हैं। समय के आधार पर इतिहास को बौद्धिक और धार्मिक आदि रामिल अध्ययन से हमें पता चलता है कि

परिवर्तन कैसे होता गया। जंगलों की सफाई, राजा और राज्य की स्थापना साहित्य का विकास कैसे अस्तित्व में कैसे हुई। धर्म हुई। लोगों के भोजन और पोशाक मे और धार्मिक व्यवहार स्से आया। भाषा और कताई- बुनाई गे उत्पत्ति कैसे कहानियों पर आधारित है। वर्तमान को का दस्तावेजीकरण शुरू किया, जिस कारण से इतिहास की समझ विकसित मानव ने सबसे पहले अपने अनुभवों हुई। यह मौखिक, पुसर्तात्विक साक्ष्य लेखित रिकार्ड, कलाकृतियां यहां तक प्राचीन काल को समझा जा सकता है कार्यशाला का किया गया आयोजन

्राो. अशोक कुमार ने प्राचीन भारतीय इतिहास के महत्त्व को बताया

तक का समय प्राचीन इतिहास का माना गया है। चूंकि इतिहास पिछली की शुरुआत से लेकर पांचवीं शताब्दी कहा कि आमतौर पर मानव सभ्यता प्रसाद साह और प्रो. कुलानंद यादव ने सामाजिक एवं राजनीतिक संस्थाएं कैसे अस्तित्व में आई। इतिहास मानव संस्कृति विषयं के प्राध्यापक प्रो. गंग जाति के निरंतर विकास की कहानी है

विमल ने संबोधित कर छात्र- छात्रा हुए नियमित महाविद्यालय आने लिए प्रेरित किया। कार्यशाला को एवं विभिन्न संरचना से अवगत क महत्व को बताया और छात्र छात्र प्राचीन भारतीय इतिहास विषय प्राचार्य सह आइक्यू सेल के अध महाविद्यालय की विधि-व्यव

इतिहास का अध्ययन कई दृष्टिकोप्ज महत्वपूर्ण है। सफलताओं से सीखने का अनुभव है। यह हमें पिछली गलतियां में मदद मिलती है। हेरोडोटस(तु इतिहास का जनक कहा जात

D-05 N

घटनाओं का अध्ययन है। जिससे

Distt.- Supaul (Bihar) PIN-852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

अनूप लाल अधाव नणान्यास्य जिवेणीगंज के तत्वावधान में शुक्रवार

प्रतिनिधि, त्रिवेणीगंज

विषय पर कार्यशाला का को प्राचीन भारतीय इतिहास व संस्कृति

आयोजन

कार्यशाला में बताया गया कि ज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत मानव जाति

कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर प्राध्यापकों के बीच समन्वय स्थापित का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और किया गया. कार्यशाला की अध्यक्षता भादन ने किया. कार्यशाला का विषय वषय के विभागाध्यक्ष प्रो सुरेंद्र प्रसाव गाचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति शक्षण-कौशल रखा गया, कायशाला

समाज के सभी पहलुओं सामाजिक, परिवर्तन का अध्ययन है जिसमें मानव

दूसरे शब्दा में इतिहास समय के साथ अध्ययन करते हैं इतिहास कहलाता है.

से संबंधित

पिछली घटनाओं का

र्घार्यशाला में मौजूद महाविद्यालय कमी व छात्र-छात्राएं.

आधार पर इतिहास को प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक तीन भागों में विभाजित किया जाता है. प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के अध्ययन से हमें पता चलता है कि

विकसित हुई. कृषि, कताई-,बुनाई और कला- कौशल की उत्पत्ति कैसे हुई. लोगों के भोजन और पोशाक में परिवर्तन कैसे होता गया. जंगलों की हमारे देश में सभ्यता संस्कृति कैसे

प्रेरित किया. कार्यशाला को प्रो विद्यानंद

कुमार, आनंद कुमार, संजय कुमार राम, चंदन कुमार, कुंदन कुमारी सहित

प्राचार्य सह आईन्यू सेल के अध्यक्ष प्रा नयामत महाविद्यालय आने के लिए विभिन्न संरचना से अवगत करात हुए महविद्यालय की विधि-व्यवस्था एवं बारे में बताया और छात्र छात्राओं को भारतीय इतिहास विषय के महत्व अशोक कुमार ने संबोधित कर प्राचीन कार्यशाला को महाविद्यालय के उप इतिहास मिछली घटनाओं का अध्ययन प्राचीन इतिहास का माना गया है लेकर पांचवीं शताब्दी तक का समय पर मानव सभ्यता की शुरुआत से कैसे हुआ. इतिहास मानव जाति प्रों कुलानंद यादव ने कहा कि आमतौ प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति निरंतर विकास को कहानी ह विषय के प्राध्यापक प्रो गंगा प्रसाद साह

स्नेहा शालू, नीतू कला कुमारी, रिया कुमारी, प्रीति कुमारी, काजल कुमारी, सदाव आलम, आशीष कुमार, पवन कुमार, अभिलाष कुमार, पूनम कुमारी, बिट्ट कुमार पासवान, मालेंद्र कुमार, नीरज कुमार, कृष्ण कुमार, विकास अमार, यादव एवं शिक्षकेतर कर्मचारीगण प्रेरित किया. कार्यशाला भूमें मर्हाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो अस्था कुमार, प्रो. सत्यनारायण यादव, प्रो<mark>ड</mark>्य कुमार तथा अन्य एवं प्राचीन भारतीय कुमार, जय नारायण भगत,मनोज तिहास विषय के छात्र-छात्राएं मो दिग्दर्शन उर्फ राजू,

आज स्योस्त 06:3 गाइड ההלו श्रु

तिथि : प्रतिपद तिथि रात्रि ८ .३३ तक उपरांत द्वितीया तिथि

नक्षत्र : कृतिका नक्षत्र दिवा ७ ,३५ तक उपरांत रोहिणी नक्षत्र वंगलाः तारीख-५, दिन-शनिवार, भास-ज्येष्ठ, बंगाब्द-१४३० . **पक्ष :** शुक्ल, मास-ज्येष्ठ, विक्रम संवत-2080, शक संवत-1945

- डॉ एनके बेरा

र कल सूर्योदय 05:03

(III

Trivenisan युन्धुर, शनिवार prabhatkhabar.com

प्राचीन भारतीय इतिहास व संस्कृति विषय पर आयोजित कार्यशाला में ववताअ

सफोई, राजा और राज्य की स्थापना

यादव, प्रो विनोद कुमार विम्<mark>ता</mark> ने संबोधित कर छात्र- छात्राओं को नियमित महाविद्यालय आने के <mark>प्र</mark>ाप

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ



Distt.- Supaul (Bihar) PIN-852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956
Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)



Principal

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Mob.- 9939257785, 9431204188 ★ Tel./Fax: 06477-220940 ★ Website- www.alycollege.com ★ E-mail- aly.college79@gmail.com

547200000450		
6000		
WR I		
MIPT	202020000000000000000000000000000000000	 To the second second

Date

दैतिक भास्कर

भागलपुर | शनिवार, २० मई, २०२३ | १८

कार्यक्रम • भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय पर कार्यशाला का आयोजन

इतिहास से ही पता चलता है देश में सभ्यता-संस्कृति कैसे हुई विकसित

भास्कर न्यूज।त्रिवेणीगंज

एएलवाई कॉलेज सभागार में शुक्रवार को प्राचीन भारतीय इतिहास व संस्कृति विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषय के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने की। कार्यशाला का विषय शिक्षण-कौशल रखा गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था। ज्ञान की वह शाखा जिसके अंतर्गत मानव जाति से संबंधित पिछली घटनाओं का अध्ययन करते हैं इतिहास कहलाता है। दूसरे शब्दों में इतिहास समय के साथ परिवर्तन का अध्ययन है जिसमें मानव के सभी पहलुओं सामाजिक,आर्थिक,वैज ानिक, तकनीकी,चिकित्सा, सांस्कृतिक, बौद्धिक और धार्मिक आदि शामिल है। समय के आधार पर इतिहास को प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक तीन भागों में विभाजित किया जाता है।प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के अध्ययन से हमें पता चलता है कि हमारे देश में सभ्यता संस्कृति कैसे विकसित हुई। कृषि,



कार्यक्रम को संबोधित करते प्राध्यापक व उपस्थित अन्य।

कैसे हुई। लोगों के भोजन और पोशाक में परिवर्तन कैसे होता गया। जंगलों की सफाई, राजा और राज्य की स्थापना कैसे हुआ। धर्म और धार्मिक व्यवहार अस्तित्व में कैसे आया। भाषा और साहित्य का विकास कैसे होता गया। सामाजिक एवं राजनीतिक संस्थाएं कैसे अस्तित्व में आया।

अध्ययन से हमें पता चलता है कि हमारे देश में इतिहास मानव जाति के निरंतर विकास की सभ्यता संस्कृति कैसे विकसित हुई। कृषि, कहानी है। कार्यशाला को उप प्राचार्य सह कताई- बुनाई और कला- कौशल की उत्पत्ति आईक्यू सेल के अध्यक्ष प्रो अशोक कुमार, प्रो. विद्यानंद यादव, प्रो. विनोद कुमार विमल ने भी संबोधित किया। मौके पर प्राध्यापक गण प्रो. अरुण कुमार, प्रो. सत्यनारायण यादव, प्रो. शंभू यादव एवं शिक्षकेतर कर्मचारीगण गगन कुमार, दिग्दर्शन उर्फ राजू, प्रभात कुमार, जय नारायण भगत, मनोज कुमार सहित छात्र-छात्राएं मो. सदाव आलम, आशीष कुमार, प्वन कुमार, अभिलाष कुमार, पूनम कुमारी, स्नेहा शालू, नीतू कला कुमारी, रिया कुमारी व अन्य उपस्थित थे।

NEWSPAREA RELEASE OF THE EVENT

Full signature of IQAC Coordinator

Important:

This report should also be accompanied with the following documents:

- 1. Notice of the Event
- 2. M.O.M. of the Program
- 3. Original Attendance Record
- 4. Geo-tagged and Non Geo-tagged Photographs of the Events
- 5. Copy of Newspaper Release